PLATINUM JUBILEE OF DINAMALAR TAMIL NEWS DAILY

Dinamalar, the nationalist Tamil daily newspaper, completes 75 years as a voice of nationalism and national integration in Tamil Nadu.

In 1951, when regions of the erstwhile Travancore-Cochin State, including Kanyakumari District,were to be integrated with Kerala but a majority of the population were Tamil-speaking people and they desired integration with Tamil Nadu. To give a wider voice to their movement, T.V.Ramasubbaiyer, business person and social activist from Nagercoil, founded Dinamalar. He was actively involved in anti-untouchability campaigns, the temple entry movement and literacy initiatives for Scheduled Castes.

First published from Thiruvananthapuram, Dinamalar faced repression from the Travancore-Cochin State but remained steadfast in supporting the movement. The movement succeeded, and the Tamil-speaking regions of Travancore-Cochin were integrated with Tamil Nadu in 1956. From 1957, publication shifted to Tirunelveli. Today, Dinamalar is published from 12 centres, including New Delhi and Bengaluru.

Dinamalar has made notable contributions to Tamil journalism. It was the first major media organisation to adopt reformed Tamil letters, making Tamil easier to read and accessible to a larger newly literate readership. Despite opposition from conservatives, it continued using them, contributing to their subsequent adoption by the State Government as the standard form of Tamil writing.

In 1982, Dinamalar introduced 'Varamalar', the first free weekly supplement in India, aimed at encouraging women to read and contributing to their social and political awareness. In 1985, it launched the first free children's supplement in Tamil to inculcate reading habits among children.

The newspaper has undertaken social campaigns that contributed to important government schemes, including the mid-day meal scheme for government school students. Its development journalism has also supported infrastructure and industrial projects through campaigns.

For students, Dinamalar is the only Tamil news paper with a student edition and conducts free examination-preparation events for government school students, benefiting tens of thousands every year.

Today, its journalism remains guided by the principle of 'nation first' and the founder's vision of a strong India and a society with equal opportunities for all. It continues to associate itself with social, cultural, linguistic, environmental and development causes, believing that the fourth estate can bring positive change in the lives of Indians.

The Department of Posts is pleased to issue a commemorative postage stamp on the Platinum Jubilee of Dinamalar Tamil News Daily, marking 75 years of its distinguished journey and recognizing its contribution to journalism, nationalism and national integration. The issuance of this stamp is a tribute to the enduring legacy of Dinamalar and its continued role in promoting social, cultural, linguistic and development causes in Tamil Nadu.

Credits:

Stamps/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta
Text	:	Based on the content provided by the proponent

भारतीय डाक
डाक सेवा-जन सेवा
India Post
Dak Sewa-Jan Sewa

डाक विभाग
Department of Posts

दैनिक समाचार पत्र दिनामलर तमिल की प्लैटिनम जयंती
PLATINUM JUBILEE OF DINAMALAR TAMIL NEWS DAILY

विवरणिका BROCHURE

दैनिक समाचार पत्र दिनामलर तमिल की प्लैटिनम जयंती

राष्ट्रीय दैनिक तमिल समाचार पत्र दिनामलर ने तमिलनाडु में राष्ट्रवाद और राष्ट्रीय एकता की आवाज के रूप में 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

वर्ष 1951 में, कन्याकुमारी सहित पूर्ववर्ती त्रावणकोर–कोचीन के क्षेत्रों को केरल के साथ एकीकृत किया जाना था, किन्तु वहाँ की अधिकांश जनसंख्या तमिल–भाषी थी और वह तमिलनाडु के साथ जुड़ना चाहती थी। उन लोगों के इस आंदोलन को और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान करने के लिए, नागरकोविल के निवासी, कारोबारी और सामाजिक कार्यकर्ता टी.वी. रामसुब्बैयर ने दिनामलर की आधारशिला रखी। वे अनुसूचित जातियों के हित में अस्पृश्यता–विरोधी आंदोलनों, मंदिर प्रवेश अभियान और साक्षरता पहलों में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

दिनामलर पहली बार तिरुवनंतपुरम से प्रकाशित हुआ, जिसे त्रावणकोर–कोचीन राज्य द्वारा नियंत्रित करने का प्रयास किया गया। परंतु यह दृढ़ता से आंदोलन का समर्थन करता रहा। अंततरू आंदोलन सफल रहा और वर्ष 1956 में त्रावणकोर–कोचीन के तमिल–भाषी क्षेत्रों को तमिलनाडु के साथ एकीकृत किया गया। वर्ष 1957 से इसका प्रकाशन तिरूनेलवेलि से किया जाने लगा। आज दिनामलर नई दिल्ली और बैंगलूरु सहित 12 केंद्रों से प्रकाशित किया जाता है।

दिनामलर ने तमिल पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह संशोधित तमिल अक्षरों को प्रयोग करने वाला पहला और प्रमुख मीडिया संगठन था, जिसने तमिल भाषा को पढ़ने में सरल और नवशिक्षित पाठकों की बढ़ती संख्या के लिए पहुंच योग्य बनाया। रूढ़िवादियों के विरोध के बावजूद, यह पत्र निरंतर इन अक्षरों का प्रयोग करता रहा। परिणामस्वरूप राज्य सरकार द्वारा बाद में इन्हें तमिल लिपि के मानक रूप में अपना लिया गया।

वर्ष 1982 में, दिनामलर ने भारत की पहली निःशुल्क साप्ताहिक पूरक–पत्रिका 'वारामलर' की शुरुआत की। इसका उद्देश्य महिलाओं को पढ़ने के लिए प्रेरित करना और उनमें सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता पैदा करना था। 1985 में, इसने बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए तमिल में पहला निःशुल्क बाल परिशिष्ट शुरू किया।

इस समाचार पत्र द्वारा तमाम सामाजिक अभियान भी चलाए गए हैं, जिसमें सरकारी विद्यालयों के छात्रों के लिए मिड–डे मील सहित कई अन्य महत्वपूर्ण सरकारी स्कीमों में योगदान देना भी शामिल है। इसने विकास संबंधी पत्रकारिता अभियान भी चलाए, जिससे अवसंरचना और औद्योगिक परियोजनाओं को बल मिला।

दिनामलर एकमात्र ऐसा तमिल समाचार पत्र है, जो विद्यार्थियों के लिए छात्र संस्करण भी प्रकाशित करता है और यह सरकारी विद्यालयों के छात्र–छात्राओं को परीक्षाओं की तैयारी कराने हेतु निःशुल्क कार्यक्रम भी आयोजित करता है, जिससे प्रत्येक वर्ष हजारों छात्र लाभान्वित होते हैं।

आज भी दिनामलर की पत्रकारिता "राष्ट्र सर्वोपरि" के सिद्धांत और अपने संस्थापक के 'सशक्त भारत' एवं 'सभी के लिए समान अवसर' संबंधी सामाजिक दृष्टिकोण से प्रेरित है। यह पत्र खुद को निरन्तर सामाजिक, सांस्कृतिक, भाषाई, पर्यावरणीय और विकास अभियानों से जोड़े रखता है, और इस बात पर अटल विश्वास करता है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में यह भारतीयों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।

डाक विभाग, दैनिक समाचार पत्र दिनामलर तमिल की प्लैटिनम जयंती के अवसर पर स्मारक डाक–टिकट जारी कर प्रसन्नता का अनुभव करता है। यह डाक–टिकट इस पत्र की 75 वर्ष की गौरवपूर्ण यात्रा और पत्रकारिता, राष्ट्रवाद तथा राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में इसके महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। इसके अलावा, यह दिनामलर की चिरस्थायी विरासत और तमिलनाडु के सामाजिक, सांस्कृतिक तथा भाषाई विकास संबंधी अभियानों में इसकी अभूतपूर्व भूमिका के प्रति सम्मान का प्रतीक भी है।

आभारः

डाक–टिकट/प्रथम दिवस आवरण/विवरणिका/

विरूपण कैशे : श्रीमती नीनू गुप्ता

पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री पर आधारित

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक–टिकटें	:	313800
Stamps Printed	:	313800
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00